## निर्माद्वव प्रमुख्यन

क्याम्याला प्राचिः (१८९७-१७४१) (क्यालाउँ व्राव्ये) 4 (2016 SIMOT -22) क्षाह अध्यामार्थि अएक \* अनुमाक्षाक्ष अधिकादि प्राक्रिक विभा अ विसान्यमात्रव केष्य ग्राहक रं अध्य हिंग म व्यात्रात्व हेन्न्ये तामाम त्रवीस्त्राचा । एष अव्या विलय निर्माहन अ पिल्पिय क्षेप्रक्टर > 300 हैंग (प्रतालकार्यक कार्यासका)> 80 म्यंत्र ठाएरी (अयुग्याम प्रिक त्रातक / ज्ञात किं र्मातिक विकास के अवातिक मिक > अद्याद्य साहितियं क्षेत्रका व्या दर्भ ने उत्पार अगम जारित े विश्विम्पाय श्रितंत यालिक अपन (क्राह्म क्रिक्स क्रायांक्र) ) त कर्वा अभ्यां क्रिकंग क्य में मिर्मार्भ निधाह-कार्य हेण्डिक्पियादार ( \* अपुर द प्रायम् अधिक्याम मार्केश देश भ्र \* क्षे 5 हा कार्य के क्षिति के का बिर \* निर्माव = सक्ता ( निविष्टिराम् यात मार्ग राम रेम) (Heely)र्याञ्चाम्क लिक > वित ज्याचिक्याथिक व व्यक्त क्याक व्यक्त क्यांक क्यांक आपे हु क्रिकाम्क तिल हे ले कविंग जाव त्याने मारिज्या क्रिक स्थिक + रियमात एक निल्क चामिर ७ व्याद्यक्तेन मिक हम्रें एता महि । क निया प्राचित्र प्राचित्र भार कारिया के कि हि आतं ताया व्यक्तिपुर क्या कुर खार जाएगाया अभिष्ठ विवे नर्भ मेक्विं खिर्म द्भाभिष्ट । वयक त्रमण यद स्त्राचील प्रिम् स्थिभिष्ट । \* "एम एवं विवाल आमान हान" > अने जीवत एक कर्म कालिया, राम प्रविवर्ण व्यक् नाकि छिन \* tolhie megie, falmi surve, -> sheris Exist dioris di sia oui-क्स आठमां कि (पर काव्य कि छाव काव्य काव्य कि आसे हिंदिन हिर्मित

म "आश्र काल्य भागाय आवं। " > अव मायिं स्थि काल क्षिय ग कार्ष (पड़ । का माधाप-कि कर्ने कार्व स्थिमका विभि आकि

\* only deal अध्यान (deila , > लीकुं लिक्षा किथा तामक अध्यान किति किति। किता कि ता के अभापा कमा, उपायना, आय, लेव, उगार विव कि कार कर्ष May have the comme with the the

\* कियान कि बलाणान , मानियान डेरिंग अता, मून राम क्रांत क्रांत अराधामां साम " अज्ञाबाद्यां द्यां अर्थावाय । कि अर्थावाय वार्षात कार्वात कार्वा तुआवि किलिंत सिर्व अवं स्वर्धित्व, 1910 59 उठ्ड अभित लामक केष्ट्र लक्ष्या हु। वाव १

\* अमिष्टं दिएक्यों इंस्कृष्ट स्वीय म

\* क्रिकिं आशिवं भावा वेषा क्रिकें धुवल त अध्या प्रेम हैं। ध्वा प्रिलिहें लाहित्रायां के क्रिकें आहित स्पार्टित क्रिकें खाला है। क्रिकें आहित स्पार्टित क्रिकें क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंं क्रिकेंंं क्रिकेंं क्रिकेंंं क्रिकेंं क्रिकेंंं क्रिकेंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंंं क्रिकेंं क्रिकेंंं क्रिकेंं

wants:

100 JAN 1711

अ वायकाठाठ इस माकि प्रमुखाकि त्या कि त्या कि व निमाठं त्या क्या विमा प्रभाभ विमेश्वरम्पात्राव वाहित स्पिर्विक निर्मालका विष्ठिक

> Despitation despitation \* \*\* 1 1026 0 310 . 184 ABE & 1610 . U. = 0 by & x 10000 कि मिर की के प्राचित के दें कि

( 168 DILL TEST FOR TOTAL DILL THOR = PROPE) TO

हा भारत है है। हिस्स के प्रकार का में का का महाने हैं। है कि में के पहला है। है कि में TONI 1. WILLIAM + WOTON + WOOD COUNTY SON THE TIME OF JOSE WAS TONE

Elithal letter way better or thouse

The wall have a major and support to the party of the same of the Theres of the west con while a blumble in The the Application

ज्यामक । वेता मार्थिय व्यक्तिक निर्धाः । व्यापान

## मवर्ग विव लक्ष्म (काष्मयात्र प्राष्ट्रिय (कार्यायात्रेत्र) - पिक् विव लक्ष्म (काष्मयात्रावेषके कार्याया

anny (a later 3/10/10) = ografo con (med land line) (2 trough) <u>अलेग</u> आश्चाप ज्यापिक आमे > श्वालिक क्षेत्रांव क्षेत्रिक लाला प्रदेय लाण्यों क्षेत्रम (कुमि अश्राण होडामें आद्वारि खेलार-आश्रिके याप > मापवे नाथकातिक त्यामा लीयलाई द्नाजाति एक दि एक कित श्राह्म के कित सात ने खाश के कारि व्याभ व्याध्येष the contained new robs cate where ार्ग आखाडिमा छेठिए स्रात अत देशित चीर्ष नारि -> भारत देशिह भारत, टाक्नावाला मुद्रिव€ खात्मक वाउमना द्वात्मक त्यात्मक त्यात्मक व्याद्विक क्वित हामिए तावि ।→व्यादिक ता यात् याव कवि कालिष्ट द्वित — आशाम स्थिकम किभावाको द्वाकि राष्ट्रिक प्राप्त ) किला आह्र महाह/वादी एएका भाष्ट्र क्रित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र अर्वास द्विति रायेण्य स्वासि न कारिक विश्व स्वासि सिकं क्रियामें क्रियामें आस्य क्रियामें अख्य क्रिया लियुमें द्विमा शाद्यिम विकाम ने अपिव जापी द्रीत विकाम यार्ड्विक होमें, विश्वािक या आमें किमामें देववां वाव 17 अपर हार (यद्र ब्राव आमार् अभिष्ट्य । द्येशि वर्ष असि किर निर्वितितिक अर्व निर्वित किन्। जाका देनावित्र श्रम् हि ज्याद्य निर्देश अंड वृद्धि अति अप्तात के लिए का कि कि अपियं उगाव में लिए के लिए के कि अपियं अप्तात के लिए के लि 15th Junior Line to allenas. अति जाला करें। वाल का शानिंग, मामय दिव्हि अवाध कान कान क्रिक अपिद्धा, किलाव आमाना ।। नामिल देशिन अभाग देविष्ट उत्पान काशित काशित सार्वाता सार्वाता अप्रकार काशिक लाण्यकात क्रिके काशित काशित सामानिताता अप्रकार सिक्ट क्रिके का क्रिके चार्त लाइन नामा ।> ग्रह्म सुष्ट्र वा

was the color tegral for surver me property (

## किय ज्यार्डम, में प्रवेद्द्रम, अभिर्म - लार्षा आभा क्यार्क्रमा

अधिर क्षित्राम दिस् केविव क्षित्राम द्वारा प्रकारमा निक्ष व अवात ज्ञाल निकार द्वारा निकार आहें स्थित स्ति क्ष्मित क्ष 

किला क्रायम्भण शिक्ष वर्णियाय अलि व्यक्त सिव व्यक्ति १०० व्यक्ति १०० त्र महिन्द्र वाहि पात वाहि आप इपि आहि किए ॥ अधिवेश्वर

याव्या आक्रिका का ना का ति निक रल आमि जात्रामा डिकिंग त्यान-हुव श्रृष्ट क्यांत स्मान अशहराहरायव डाग्न । अध्य श्रृष्टिन विकास वात्राज । अपि मिर्यायक स्माप्त व्यक्तीम वरवंग 512127

व की कावाडमावः त्यावा नाट भगाः

बार्ल डार्ल अर्थ प्यांगे जातारि जातात्र अर्थ ।

्राम्पारम् विस् व्याप्त तिक्रीया हास्ति भाष्म,

चितारि विविद्ध अपि ।। अने युक्याम, श्रिकिंट त्यालां अस्य है हिंध अतिह

त्वाप्याधिक कित त्रिष्टा प्रिता प्रिता क्षेत्र के विषय क्षेत्र के विषय क्षेत्र किता किता है विषय क्षेत्र किता लिकिर । प्रिके द्वानी अधिक्ष्यामा किक कार्विष्य प्रवेद व अभित्र अपार्थि मिलिव क्राणि प्राचार क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्षिया क्रिकेट क निवंकव यस हल भग्ना वामामिं स्थित प्रिकारिक सीवत त्यायानी कार्य करंकि अर्थ थि के कार्य माडियेक्षिक भिर्मिक के अर्थि आर्थिय तिम् व्यक्ति खावण्या त्याव व्यक्ति चालाम ज्यामान जात अविवास निस्निष्ट्र । जात जीवातं - डाकिविराल खाद शिक्षा । यह एकार्य स्थारक मार्ट हिस आर्थ क्रिक असिह :- 7) विश्व क्रिक र) खाकिकीतिक कुम्भेका खबु स्मारिश स्मिनिकन त्रा पिरिष्ठं अपिरं अभि लाहिन देश्या कर्षेत्र पा आवा (अञ्चाहक)